नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंचार विभाग में गूंजी कबीर की वाणी

वर्धा, 24 फरवरी 2020: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में 'संचारक के रूप में कबीर' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में कबीर गायक एवं अध्येता डॉ. गजेंद्र कुमार पाण्डेय मौजूद थे। उन्होंने बताया किस प्रकार

कबीर दास उस समय समाज में व्याप्त कुरीतियों और बुराइयों का न केवल विरोध करते थे बल्कि जनमानस तक अपनी बात भी पहुँचाते थे। उन्होंने बताया कि कबीर प्रतीकों के माध्यम से तत्कालीन राजनीति व्यवस्था पर चोट करते थे। वे समाज में व्याप्त सभी वह्याचारों का

विरोध करते थे। एक कुशल संचारक होने का उनका सबसे बड़ा प्रभाव यह पड़ा कि उन्होंने सभी वर्ग के लोगों को प्रभावित किया। आज भी कई ऐसे रचनाकार हैं जो कबीर के नाम पर रचना करते हैं।

कबीर को गांधी से जोड़ते हुए उन्होंने बताया कि किस प्रकार कबीर और गांधी दोनों ही सत्य और अहिंसा की बात करते हैं। उन्होंने बताया कि सत्य और अहिंसा कबीर और गांधी दोनों के

जीवन के मूल मंत्र थे। डॉ. पाण्डेय ने कबीर की विभिन्न रचनाओं का गायन भी किया। व्याख्यान के दूसरे सत्र में विभाग के पीएचडी शोधार्थी अन्वेषण सिंह ने डॉ. गजेंद्र कुमार पाण्डेय से बातचीत की जिसके बाद विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने भी सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासा शांत की।

बता दें कि डॉ. गजेंद्र कुमार पाण्डेय महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के साहित्य विभाग के पूर्व शोधार्थी हैं जिन्होंने कबीर पर शोध किया। वे देश के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक संस्थानों में कबीर गायन करते आ रहे हैं।

यह कार्यक्रम रचना समय के अंतर्गत आयोजित किया गया। रचना समय जनसंचार विभाग का प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाला कार्यक्रम है जिसमें विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। कार्यक्रम का संचालन रचना समय की संयोजक पीएचडी शोधार्थी गरिमा राय और एम.ए. की विद्यार्थी पूजा पाठक ने किया।

इस दौरान मुख्य रूप से विभागाध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे, सहायक प्रोफेसर डॉ. धरवेश कठेरिया, डॉ. अख्तर आलम, डॉ. रेणु सिंह, राजेश लेहकपुरे के साथ विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद थे।